AI BOOTCAMP नीति आयोग, अटल इनोवेशन मिशन व इंटेल इंडिया का कैंप; 6वीं से 12वीं के स्टूडेंट्स होंगे शामिल

अब एआई की मदद से रियल लाइफ प्रॉब्लम सॉल्व करेंगे स्टूडेंट्स

सिटी रिपोर्टर • अब स्कूल स्टूडेंट्स एआई का इस्तेमाल सिर्फ पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि अपने आसपास की असली समस्याओं का समाधान तैयार करने के लिए करेंगे। स्कूल, घर, पार्क, खेती, सुरक्षा, हेल्थ या पर्यावरण से जुड़ा कोई आइडिया हो तो उसे एआई की मदद से प्रोडक्ट या सॉल्यूशन में बदला जा सकेगा। इसी उद्देश्य से एआई टिंकरप्रेन्योर 2026 शुरू किया जा रहा है। यह नेशनल लेवल ऑनलाइन समर बूटकैंप नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन और इंटेल इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स हिस्सा ले सकेंगे। खास बात यह है कि इसमें शामिल होने के लिए पहले से एआई या कोडिंग की जानकारी जरूरी नहीं है।

मॉडल नहीं, असली लोगों के बीच होगा टेस्ट

इस बार बूटकैंप केवल मॉडल या प्रोटोटाइप बनाकर खत्म नहीं होगा। स्टूडेंट्स अपने एआई आधारित समाधान को घर, स्कूल, पार्क या कम्युनिटी में लोगों के बीच टेस्ट करेंगे। लोगों से फीडबैक लेकर अपने प्रोडक्ट में सुधार करेंगे, ताकि समाधान वास्तव में उपयोगी बन सके।

8 थीम्स पर सॉल्यूशन

स्टूडेंट्स हेल्थकेयर, एजुकेशन, सस्टेनेबिलिटी, एग्रीकल्चर, सेफ्टी, एक्सेसिबिलिटी, स्मार्ट होम्स और एन्वायरनमेंट जैसी 8 कम्युनिटी-बेस्ड थीम्स पर काम करेंगे। वे अपने आसपास की किसी समस्या को चुनकर उसका एआई आधारित समाधान तैयार करेंगे।

50 दिन में होंगे 25 सेशन

बूटकैंप में 50 से ज्यादा दिनों के दौरान 25 ऑनलाइन सेशन और मास्टर क्लास होंगी। इंटेल एक्सपर्ट्स, इंडस्ट्री लीडर्स, मेंटर्स ऑफ चेंज और टिंकर चैम्प्स स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग देंगे। ऑनलाइन सेशन 13 अगस्त 2026 तक चलेंगे। पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट के लिए 25 में से कम से कम 20 सेशन अटेंड करना और 80% क्विज पूरे करना जरूरी होगा।

ऐसे बनेगा आइडिया से सॉल्यूशन

- स्थानीय समस्या पहचानेंगे।
- डिजाइन थिंकिंग व एआई की मदद से सॉल्यूशन बनाएंगे।
- प्रोटोटाइप या वर्किंग मॉडल तैयार करेंगे।
- एआई, आईओटी व डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल करेंगे।
- लोगों के बीच टेस्ट कर फीडबैक लेंगे।
- बिजनेस मॉडल डवलप करना सीखेंगे।